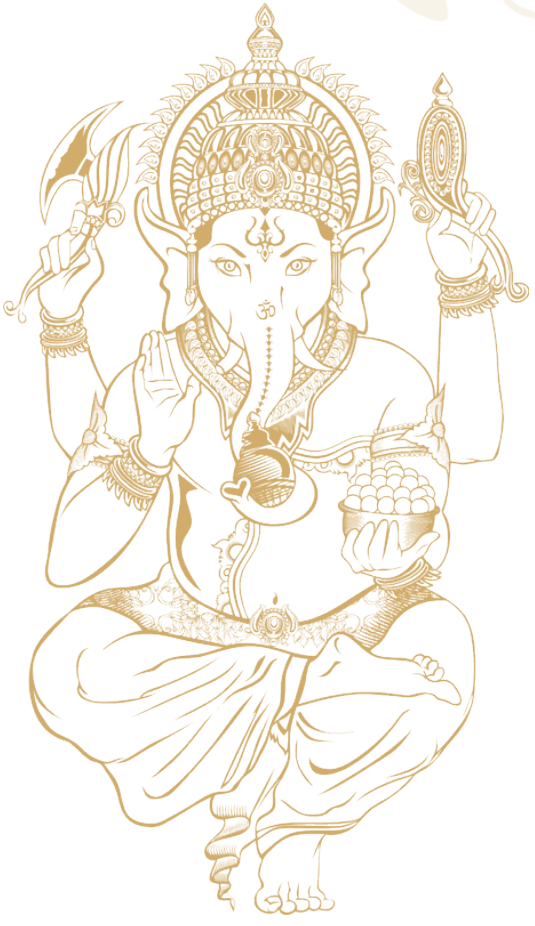

Suryansh Gautam

Vibhooti Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121899502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/09/1995	जन्म तिथि	12/09/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:20:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 32:35:47	जन्म समय(घटी)	31:12:47 घटी
India	देश	India
Kota	स्थान	Kota
25:11:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:58:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:41	सूर्योदय	06:10:53
18:14:36	सूर्यास्त	18:33:42
23:47:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 0वर्ष 7मा 27दि		06:02:17	मेष	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
सूर्य		13:07:59	कन्या	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
29/05/2023		29:28:58	वृश्चि	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
28/05/2029		21:55:57	तुला	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
सूर्य	15/09/2023	22:26:07	कन्या व	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
चन्द्र	16/03/2024	16:35:35	वृश्चि	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
मंगल	22/07/2024	24:04:12	कन्या	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
राहु	16/06/2025	26:20:12	कुंभ व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
गुरु	04/04/2026	02:49:31	तुला	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
शनि	17/03/2027	02:49:31	मेष	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
बुध	21/01/2028	02:44:28	मक व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
केतु	28/05/2028	28:58:49	धनु व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
शुक्र	28/05/2029	04:46:50	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

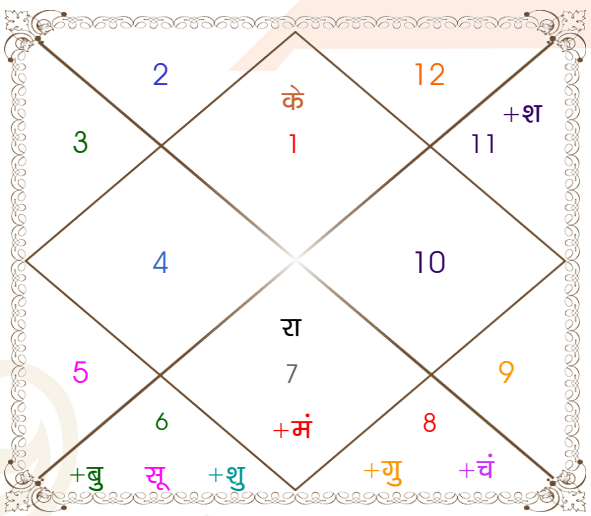

लग्न-चलित

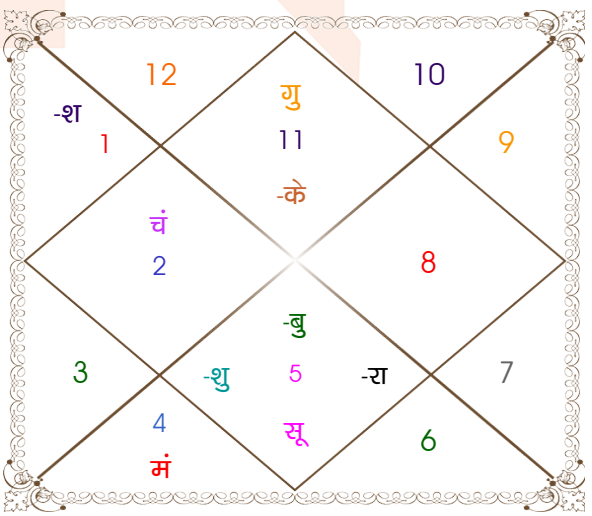

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ैनतलंदी ळंनजंउ का वर्ग मृग है तथा टपइीववजपौंतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारै नतलंदी ळंनजंउ और टपइीववजपौंतउं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनतलंदी ळंनजंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ैनतलंदी ळंनजंउ कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टपइीववजपौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु टपइीववजपबीतउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपइीववजपबीतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनतलंदी ळंनजंउ तथा टपइीववजपबीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।